वार्षिक प्रतिवेदन

2016–2017

भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त उच्चस्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल

अनुक्रमणिका

1. आमुख 1
2. प्रस्तावना 2
3. उद्देश्य 2
4. प्रमुख विशेषताएं 2–3
5. प्राणी उद्यान प्रबन्धन 4–5
6. मानव संसाधन 6
7. लेखा अनुभाग 7
8. अंगीकरण योजना 8
9. विनिमय सूची 9
10. वार्षिक सूची 9
11. स्वास्थ्य रक्षा 10
12. सार्वजनिक सुविधाएं.....11
13. शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण.....11

आमुख

भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल के वर्ष 2016–17 के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक हर्ष हो रहा है। सरोवर नगरी नैनीताल के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक नैनीताल प्राणी उद्यान का प्रमुख उद्देश्य संकटग्रस्त वन्य जीवों का संरक्षण, वन्य जीवों के प्रति जागरूकता फैलाने और उनके संरक्षण की जरूरतों, संरक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अनुसंधान एवं आगन्तुकों को आनन्दमय एवं रोमांचक अनुभव प्रदान करना है। तल्लीताल स्थित शेर का डांडा पहाड़ी पर लगभग 4.5 हेक्टेयर में फैला हुआ नैनीताल प्राणी उद्यान पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। बांज प्रजाति के सदाबहार जंगलों से घिरा हुआ यह उद्यान उच्च हिमालयी वन्य जीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वर्तमान में, नैनीताल प्राणी उद्यान में 16 स्तनधारी, 12 फीजैन्ट एवं 9 अन्य पक्षियों की प्रजातियां हैं, जो आगन्तुकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र हैं। वर्ष 2016–17 में कुल 3,01,290 पर्यटकों ने नैनीताल प्राणी उद्यान का भ्रमण किया।

नैनीताल प्राणी उद्यान पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। वर्ष 2016–17 में छात्रों एवं जनसाधारण में पर्यावरण एवं वन्य जीवन के प्रति स्नेह तथा जागरूकता उत्पन्न करने हेतु पर्यावरण दिवस, ओजोन परत संरक्षण दिवस एवं वन्य प्राणी सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त नैनीताल प्राणी उद्यान वन्य जीवों के बचाव कार्य में सराहनीय कार्य कर रहा है। वर्ष 2016–17 में विभिन्न स्थानों से आये अनेक वन्य जीवों का बचाव एवं पुर्नवास किया गया। वन्य जीव अंगीकरण योजना के अर्न्तगत इस वर्ष कुल 29 व्यक्तियों/संस्थाओं ने प्राणी उद्यान के वन्य प्राणियों को अंगीकृत किया। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्राणी उद्यान के कर्मचारियों/अधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त नैनीताल प्राणी उद्यान में शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

वर्ष 2016–17 के वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन नैनीताल प्राणी उद्यान के विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी हेतु किया जा रहा है। इसके लिए मैं सम्पूर्ण प्राणी उद्यान प्रबन्धन दल को हार्दिक बधाई देता हूँ और नैनीताल प्राणी उद्यान के समग्र विकास हेतु उनके सहयोग की कामना करता हूँ।

निदेशक
भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त
उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान,
नैनीताल

प्रस्तावना

प्राकृतिक सौन्दर्य एवं बहुमूल्य विरासत युक्त उत्तराखण्ड के लगभग 65 प्रतिशत भू–भाग पर वन स्थित हैं। जैव विविधता की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध, इस प्रदेश में बर्फीले पहाड़ों से लेकर अल्पाइन के घास के मैदान एवं तराई के घने वनों में उपलब्ध विविध प्रकार की वनस्पतियां एवं पशु पक्षियों की विविधता अद्वितीय हैं। उत्तराखण्ड में 18 प्रतिशत भू–भाग पर वन्य जीवों तथा उनके वास स्थलों के रूप राष्ट्रीय पार्क, वन्य जीव अभ्यारण्य तथा बयोस्फियर रिजर्व संरक्षित क्षेत्र बनाये गये है। मोनाल तथा कस्तूरी मृग उत्तराखण्ड के प्रतीक चिन्हों में से है। पर्वतीय क्षेत्रों की जैव विविधता एवं यहां पाए जाने वाले वन्य प्राणियों के संरक्षण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1980 में नैनीताल में उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान की स्थापना हेतु शासनादेश जारी किया गया। इस प्रकार भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान का निर्माण कार्य वर्ष 1984 से प्रारम्भ किया गया।

अर्न्तराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र में नैनीताल का प्रमुख स्थान है। वर्तमान में नैनीताल प्राणी उद्यान शिक्षा, शोध एवं पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। उत्तराखण्ड के इस एक मात्र प्राणी उद्यान का शुभारम्भ दिनांक 01 जून, 1995 को किया गया। तब से वर्तमान तक नैनीताल प्राणी उद्यान उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले असहाय एवं घायल वन्य प्राणियों एवं मानव भक्षी/पशु भक्षी गुलदार तथा बाघ को आवश्यक उपचार देने के उपरान्त पुनर्वासति करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। दिनांक 01 मार्च 2002 को प्राणी उद्यान के प्रबन्ध, रखरखाव तथा आकस्मिक कार्यों के वहन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 तथा उ0प्र0 सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1975 के अनुसार इसका पंजीकरण प्रबन्ध सोसाइटी के रूप में किया गया।

उद्देश्य

1. वन्य जीव संरक्षण एवं संवर्धन।
2. वन्य जीवों की गम्भीर एवं आकस्मिक बीमारियों की रोकथाम हेतु विशेष प्रयास एवं बचाव कार्य।
3. प्राणी उद्यान स्थित वन्य जीवों के प्रबन्ध हेतु विभिन्न शोध, जानकारियों तथा शिक्षा की आधारभूत व्यवस्था करना।
4. पर्वतीय क्षेत्र में स्थित स्थानीय वन्य जीवों के संरक्षण हेतु प्रयास।
5. घायल, असहाय तथा विलुप्त प्रायः वन्य प्राणियों के बचाव तथा पुनर्वास के प्रयास करना।

प्रमुख विशेषताऐं

स्थिति

स्थान	–	अपर शेर का डांडा, नैनीताल
समुद्र तल से ऊँचाई	–	2020 मीटर
तल्लीताल बस स्टैण्ड से दूरी	–	2 किमी0

क्षेत्रफल विवरण

नैनीताल 'जू'	–	4.592 हेक्टेयर
आवासीय परिसर	–	0.217 हेक्टेयर
वाइल्ड लाइफ ट्रांसिट रैस्क्यू सेन्टर, रानीबाग, हल्द्वानी	–	1.910 हेक्टेयर
कुल क्षेत्रफल	–	**6.719 हेक्टेयर**

नैनीताल प्राणी उद्यान का भ्रमण समय

प्रातः 10:00 बजे से सांय 4:30 बजे तक

नोटः– प्रत्येक सोमवार, होली व दीपावली अवकाश पर प्राणी उद्यान नैनीताल बन्द रहता है।

प्रवेश शुल्क

1. 5 वर्ष से कम	–	निःशुल्क
2. 5 वर्ष से 12 वर्ष	–	रू0 20.00
3. 12 वर्ष से अधिक	–	रू0 50.00

वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यागों के लिए नैनीताल प्राणी उद्यान में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की गयी है।

प्राणी उद्यान प्रबन्धन

प्रबन्ध समिति की स्थापनाः–

दिनांक 01 मार्च 2002 को प्राणी उद्यान के प्रबन्ध, रखरखाव तथा आकस्मिक कार्यों के वहन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 तथा उ0प्र0 सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1975 के अनुसार इसका पंजीकरण प्रबन्ध सोसाइटी के रूप में किया गया।

भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान के कुशल संचालन एवं आय के विभिन्न श्रोतों के सृजन तथा विभिन्न व्ययों हेतु भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान प्रबन्ध समिति का गठन किया गया।

प्रबन्ध समितिः–

शासनादेश संख्या–3500/1–व.ग्रा.वि./2001–8 (75)/2001 दिनांक 04–12–2001 के अनुसार नैनीताल प्राणी उद्यान का नाम अब भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान प्रबन्ध सोसाइटी नैनीताल है। नैनीताल प्राणी उद्यान की प्रबन्ध समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :–

1. वन सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. मुख्य वन संरक्षक, (कुमाऊँ), उत्तराखण्ड, नैनीताल।
3. मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक,उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
5. वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ वृत्त,उत्तराखण्ड, नैनीताल।
6. जिलाधिकारी, नैनीताल।
7. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नैनीताल।
8. अध्यक्ष, होटल एसोसियेशन, नैनीताल।
9. मैनेजर, लीड बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, नैनीताल।
10. अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, नैनीताल।
11. निदेशक, भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त उच्च स्थलीय प्राणी उद्या प्रबन्ध सोसाइटी, नैनीताल।
12. प्रभागीय वनाधिकारी, नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल।

प्राविधिक वर्णन :–

भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल का निर्माण भारत में स्थित किसी भी उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान के स्तर पर निर्मित प्राणी उद्यान के अनुरूप केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के मानकों के अनुसार किया जा रहा है।

नैनीताल प्राणी उद्यान में मनाये जाने वाले प्रमुख दिवस

1.	गणतन्त्र दिवस	–	26 जनवरी
2.	विश्व वन्य प्राणी दिवस	–	3 मार्च
3.	विश्व गौरेया दिवस	–	20 मार्च
4.	अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस	–	22 मई
5.	विश्व पर्यावरण दिवस	–	5 जून
6.	स्वतन्त्रता दिवस	–	15 अगस्त
7.	अर्न्तराष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस	–	16 सितम्बर
8.	गाँधी जयन्ती	–	2 अक्टूबर
9.	विश्व वन्य प्राणी सप्ताह	–	1 से 7 अक्टूबर

मानव संसाधन

प्राणी उद्यान में वन्य जीवों के रखरखाव, व्यवस्था, प्रबन्धन एवं अनुरक्षण कार्यो हेतु निम्नानुसार स्टाफ तैनात हैः–

क्र0सं0	पदनाम	संख्या
1.	निदेशक	01
2.	उप निदेशक	01
3.	वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी	01
4.	वन क्षेत्राधिकारी	01
5.	उपराजिक	01
6.	वन दरोगा	01
7.	वन रक्षक	05
8.	क्लीनर	01
9.	अर्दली	01
10.	बायोलाजिस्ट	01
11.	एजूकेशन ऑफिसर	01
12.	कम्प्यूटर औपरेटर	01
13.	फारमासिस्ट	01
14.	कीपर	13
15.	सुरक्षा कर्मी एवं श्रमिक	11
16.	रसोइया	01
17.	भोजन वितरक	01
18.	वाहन चालक	01
कुल योग		**44**

लेखा अनुभाग

विगत 10 वर्षो में नैनीताल प्राणी उद्यान में आये दर्शकों एवं प्राप्त आय का विवरण

वर्ष	संख्या	धनराशि (रू0)	संख्या	धनराशि (रू0)	योग	
					संख्या	धनराशि (रू0)
2007–08	27596	275960	113170	2770605	**140766**	**3046565**
2008–09	29180	291800	133976	3349400	**163156**	**3641200**
2009–10	32546	325460	166901	4172525	**199447**	**4497985**
2010–11	29219	292190	148218	3705450	**177437**	**3997640**
2011–12	31696	316960	170104	5121120	**202400**	**5438080**
2012–13	37020	476100	184272	6676640	**221292**	**7152740**
2013–14	28386	567720	148774	7438700	**177160**	**8006420**
2014–15	34164	683280	192583	9629150	**226747**	**10312430**
2015–16	39559	791180	239334	11966700	**278893**	**12757880**
2016–17	44276	885520	257014	12850700	**301290**	**13736220**

वन्य जीवों का अंगीकरण योजना

लोगों में वन्य जीवों के प्रति लगाव, प्रेम एवं जागरूकता उत्पन्न करने हेतु नैनीताल प्राणी उद्यान द्वारा वन्य जीवों के अंगीकरण की योजना प्रारम्भ की गई हैं। इस योजना के अर्न्तगत कोई भी व्यक्ति, संस्था या संस्थान प्राणी उद्यान के वन्य जीवों को अंगीकृत कर सकता है। 2016–17 में प्राणी उद्यान में विभिन्न व्यक्तियों एंव संस्थाओं द्वारा निम्न प्राणियों को अंगीकृत किया हैः–

क्र0सं0	व्यक्तियों/संस्थाओं का नाम	अंगीकृत किये गये वन्य प्राणी का नाम	धनराशि (रू0)
1.	श्रीमती विदिती साह तथा मैत्री साह C/O श्री नीरज साह	सिल्वर फीजैन्ट	3,000.00
2.	श्री भगवत सिंह बोरा	पैराकीइट	2,200.00
3.	श्री के0एस0 रावत C/O श्री ललित रावत	सिल्वर फीजैन्ट	2,200.00
4.	श्रीमती सरिता रावत C/O श्री ललित रावत	रेड जंगल फॉउल	2,200.00
5.	स्व0 श्री गोपाल दत्त जोशी एवं श्री हरीश जोशी	रेड पांडा	7,000.00
6.	श्री हर्ष वर्धन सिंह बिष्ट एवं श्री गौर आदित्य सिंह बिष्ट	मोनाल	3,000.00
7.	श्रीमती मीना एवं श्रीमती लीला सिंह बिष्ट	मारखोर	7,000.00
8.	श्री जय पिल्ले	भालू	30,000.00
9.	श्रीमती राधिका पाण्डे पिल्ले	रेड पांडा	14,000.00
10.	श्रीमती रेनू गुप्ता	रेड पांडा	14,000.00
11.	श्रीमती रेनू गुप्ता	कलीज फीजैन्ट	4,400.00
12.	श्री पुर्नोदय मिश्रा	ब्लू शीप	7,000.00
13.	डॉ0 अनीता मिश्रा	ब्लू शीप	7,000.00
14.	श्रीमती प्रेमलता गुसाई	सिल्वर फीजैन्ट	4,400.00
15.	श्रीमती दिव्या साह एवं श्री निर्मल साह	गोल्डन फीजैन्ट	4,400.00
16.	कंसल प्रिन्टर्स	चीर फीजैन्ट	6,600.00
17.	प्रबन्धक मोहन लाल साह बाल विद्या मन्दिर नैनीताल	ब्लू एण्ड गोल्ड मकाऊ	12,400.00
18.	श्री भुवन चन्द्र जोशी	कलीज फीजैन्ट	4,400.00
19.	श्री विमल साह एवं श्रीमती भारती साह	लिनिएटेड कलीज	2,200.00
20.	श्री सुनील निगम एवं अल्का निगम	सफेद मोर	3,200.00
21.	उत्तराखण्ड वन विकास निगम	एक टाइगर एवं दो लैपर्ड	4,00,000.00
22.	श्री अतुल साह एवं श्रीमती भारती साह	घुरल	7,000.00
23.	स्व0 श्री अनिरूद्ध साह C/O श्री पी0के0 साह	गोल्डन फीजैन्ट	4,400.00
24.	प्रबन्धन कुर्मांचल नगर सरकारी बैंक लि0	तिब्बती भेडिया	40,000.00
25.	श्रीमती कहकशा W/O इकबाल अहमद	सांभर	50,000.00
26.	मां नयता इण्टर प्राइजेज	भारतीय मोर	4,300.00
27.	श्रीमती गोपिमा श्रेय साह	लव बर्ड	2,000.00
28.	श्रीमती रेनु बिष्ट एवं जस्टिस वी0के0 बिष्ट	लेडी एमहर्स्ट	3,600.00
29.	श्रीमती विदिती साह एवं मैत्री साह C/O श्री नीरज साह	सिल्वर फीजैन्ट	3,600.00
कुल योग			**6,55,500.00**

वन्य प्राणियों की विनिमय सूची (2016–17)

क्र0सं0	वन्य जीव का नाम	संख्या	विनिमय कर्ता
1	लेडी एमहर्स्ट	1:1	ग्वालियर जू
2	कलीज फीजैन्ट	2:2	ग्वालियर जू
3	लेडी एमहर्स्ट	1:1	मालसी डियर पार्क, देहरादून
4	कलीज फीजैन्ट	1:1	मालसी डियर पार्क, देहरादून

नैनीताल प्राणी उद्यान के वन्य प्राणी की वार्षिक सूची (2016–17)

S. No.	ANIMAL NAME	OPENING STOCK				BIRTH			ACQUISITION			DISPOSAL			DEATHS			CLOSING STOCK			
		M	F	U	T	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	T
1	Peafowl	1	2	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0	2
2	Peafowl White	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
3	Pheasant cheer	6	5	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	5	0	11
4	Pheasant Kalij	14	10	0	24	0	0	0	0	0	0	3	3	0	1	0	0	10	7	0	17
5	Pheasant Monal	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1
6	Vulture Egyptian	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
7	Bear Himalayan Black	1	3	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	3	0	4
8	Civet Common Palm	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
9	Civet Himalayan Palm	1	0	3	4	0	0	0	2	1	0	0	0	3	0	0	0	3	1	0	4
10	Leopard (Panther)	7	5	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	0	6	3	0	9
11	Macaque Rhesus	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
12	Makhor	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
13	Marten Yellow Throated	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
14	Panda Red	1	1	2	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	2	4
15	Sheep Blue (Bharal)	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
16	Tiger Bangal	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
17	Wolf Tibetan	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
18	Eagle Crested Hawk	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
19	Eagle Eastern Steppe	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0
20	Fowl Jungle Red	5	0	0	5	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	6	1	0	7
21	Black Kite	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	-1	2	1
22	Parakeet Rose Ring	15	14	0	29	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	5	0	14	9	0	23
23	Partidge Hill	0	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
24	Pheasant Edward	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
25	Pheasant Golden	9	5	0	14	0	0	0	0	0	0	0	0		1	0	0	8	5	0	13
26	Pheasant Lineated Kalij	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
27	Deer Barking (Kakar)	2	2	0	4	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	3	3	0	6
28	Deer Sambar	2	4	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	4	0	6
29	Deer Spotted (Chital)	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
30	Goral	5	1	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	3	1	0	4
31	Cockatail	19	21	0	40	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	5	0	17	16	0	33
32	Conure Sun	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	3	1	0	4
33	Love Birds	20	20	2	42	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	19	19	2	40
34	Macaw Blue & Yellow	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
35	Pheasant Lady Amherset	10	10	0	20	0	0	0	0	0	0	2	2	0	2	0	0	6	8	0	14
36	Pheasant Silver	5	4	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	4	4	0	8
37	Monkey Japanese	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
	Total	**136**	**117**	**11**	**264**	**1**	**0**	**0**	**4**	**4**	**3**	**5**	**5**	**4**	**13**	**16**	**0**	**123**	**100**	**10**	**233**

स्वास्थ्य रक्षा

वन्य जीवों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं बचाव हेतु नैनीताल प्राणी उद्यान में एक वन्य जीव पशु चिकित्सालय हैं। यहां पर विनिमय के तहत आने वाले वन्य प्राणियों, प्राणी उद्यान में जन्म लेने वाले प्राणियों तथा बचाये हुए वन्य जीवों की देखभाल व स्वास्थ्य के कार्य सम्पन्न किये जाते है। साथ ही वन्य जीवों को विभिन्न घातक बीमारियों से बचाने हेतु समय–समय पर टीकाकरण एवं कृमि नाशक औषधियों का उपयोग किया जाता है।

पशु चिकित्सालय की आधारिक संरचना

वन्य जीव पशु चिकित्सालय समस्त आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सालय में निम्न सुविधाऐं उपलब्ध हैंः–

1. आपरेशन कक्ष
2. बीमार एवं घायल वन्य जीवों के उपचार हेतु पृथक कक्ष
3. नये लाये गये वन्य जीवों हेतु क्वारन्टाइन कक्ष
4. पृथक रसोईघर एवं भण्डार गृह
5. स्वचालित इन्क्यूवेटर (अण्डे सेने की मशीन) प्रजनन केन्द्र

सार्वजनिक सुविधाऐं

1. शुद्ध जल हेतु R.O. सिस्टम
2. स्वच्छ एवं सुगम शौचालय
3. विश्राम स्थल
4. जलपान गृह
5. यात्री सामान घर प्रवेश द्वार के पास
6. प्राथमिक उपचार
7. दिशा निर्देश नक्शा
8. सोवेनियर शॉप

शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान

जनसाधारण में वन्य जीवों के प्रति स्नेह एवं जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से नैनीताल प्राणी उद्यान में विशेष अवसरों जैसे– विश्व पर्यावरण दिवस, ओजोन परत संरक्षण दिवस एवं वन्य जीव सप्ताह पर विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें नैनीताल एवं नजदीकी क्षेत्रों के विद्यालयों एवं संस्थानों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। इसके अतिरिक्त समय–समय पर प्राणी उद्यान द्वारा अनेक प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षु कुशल एवं अनुभवी प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों के मार्ग निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। अनुसंधान के क्षेत्र में भी नैनीताल प्राणी उद्यान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा देश एवं विदेशों के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के शोधार्थी वन्य जीवों पर शोध कार्य हेतु प्राणी उद्यान में आते हैं।